राज
कॉमिक्स
संख्या 0116
RAJ COMICS
राज
कॉमिक्स
BY MANOJ GUPTA
मौत का ओलम्पिक
50 KG
1
3
सुपरकमांडो ध्रुव
इस
कॉमिक्स के
साथ एक स्टीकर

इस दिल दहला देने वाली कहानी की शुरूआत एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच से हुई। आइए,देखें!

शाबास!
अब प्रार्थना करो कि यह कहीं अगली गेंद पर ही आउट न हो जाए! वरना अपना...
श्श्श! ऐसी बात सोच कर ही रूह कांप जाती है!
अगले बैट्समैन हैं धुआंधार रिगार्ड! जो बॉलर के सर के ऊपर से हुक्का मारने के लिए विख्यात हैं!

वे अब सामना करेंगे निहंग के ओवर की तीसरी गेंद का!
निहंग आए! उन्होंने अंपायर को पार किया...

शार्ट ऑफ लेंथ बॉल... और ये रिगार्ड का चिरपरिचित शॉट!...
त
ड़
पहली ही बॉल पर सीधा हुक्का!

और गेंद निहंग के सर के ऊपर से होती हुई सीधी पैवेलियन में आकर गिरी है!
पैवेलियन में किनारे खड़े फोटोग्राफर को इसी क्षण का इंतजार था। वह गेंद की तरफ तेजी से लपका -

और उसने गेंद फील्डर की तरफ वापस उछाल दी।
थैंक्स!
इट्स ऑल राइट!
यह कोई नहीं देख पाया कि फोटोग्राफर ने बड़ी सफाई से गेंद को दूसरी गेंद से बदल दिया है।-

गेंद एक बार फिर निहंग के हाथों में है! वे मुड़े, दौड़े, अंपायर किशन को पार किया

और...
रिगार्ड ने इससे ज्यादा घातक गेंद शायद कभी नहीं खेली थी, क्योंकि-

इसके साथ ही शुरू हो गया–

वन.. टू..
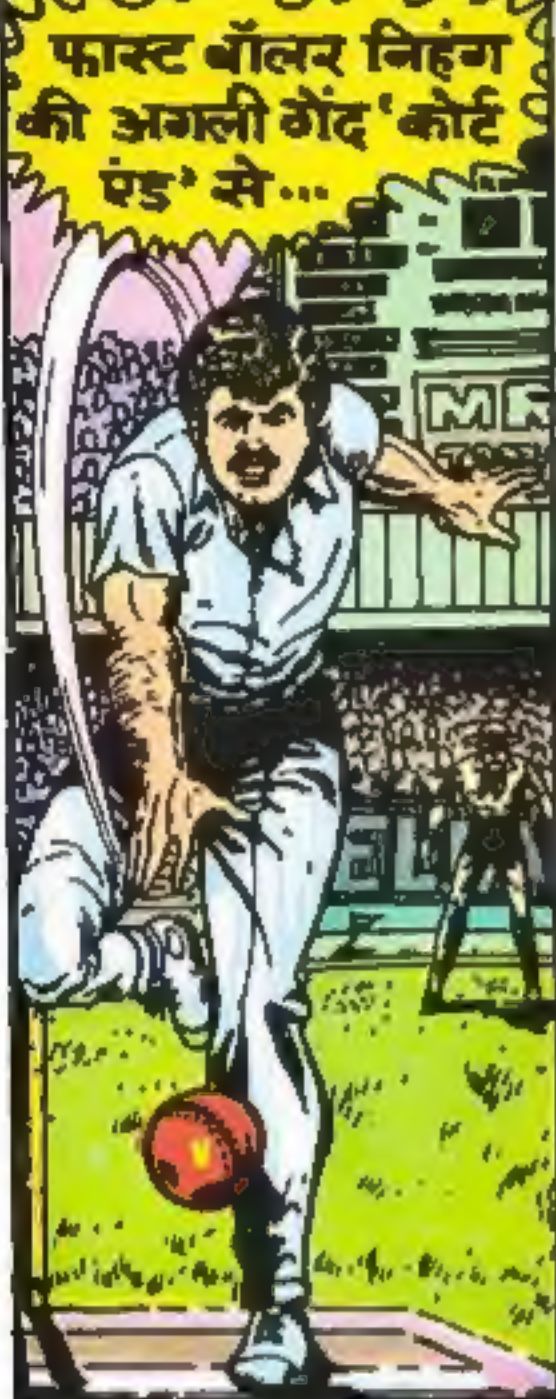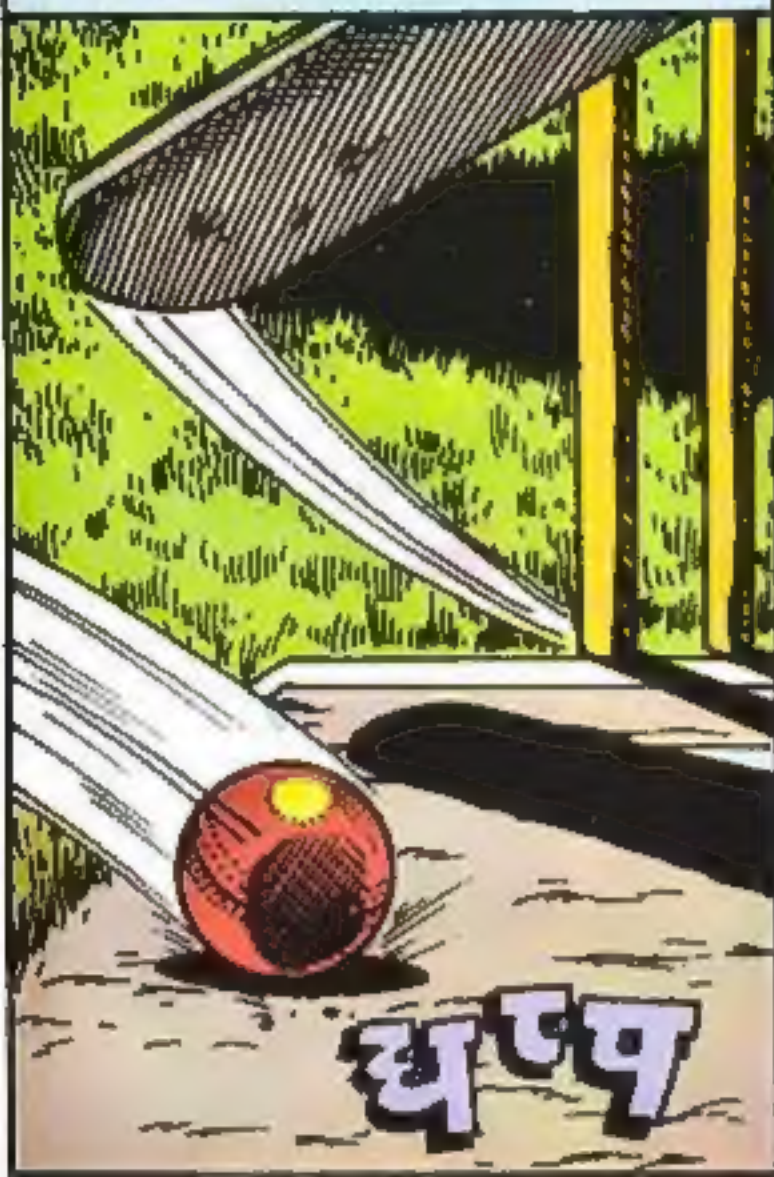
मौत का ओलम्पिक

जिसका प्रथम पुरस्कार था; विजेता के हाथों ध्रुव की मौत!

उस दिन ध्रुव भी मैच देखने के लिए दर्शक-दीर्घा में मौजूद था।
यानि बॉल बदल दी गई थी! पर कैसे?
यह क्या?

ध्रुव तेजी से मैदान में कूदा –
टीम-डॉक्टर और साथी खिलाड़ी भी दौड़ते हुए पिच तक पहुंच चुके थे।

जल्दी, डॉक्टर! यह अभी जिंदा है!

अरे! तुम उसकी जेब से सिक्का क्यों निकाल रहे हो?
यह तो हमारी टीम का खिलाड़ी नहीं है!

कौन हो... आह!!
गेट आउट ऑफ माई वे!

पकड़ो! भागने न पाए!!
COLD-S
भीड़ नकली खिलाड़ी को रोकने आगे बढ़ी।

तभी पैवेलियन में एक तरफ खड़ा फोटोग्राफर भीड़ के सामने लपका।
खबरदार! अगर कोई आगे बढ़ा तो...

कैमरे का शटर दबा और दो गोलियां हवा में दगीं –
धाँय धाँय

और भीड़ पानी की तरह छंट गई।

पलक झपकते वे दोनों यूरोपियन स्टेडियम के बाहर थे।-
वह रही हमारी कार!
लेकिन तुम उस तक नहीं पहुंच पाओगे!

अब अगर तुम कहीं पहुंचोगे तो वह जगह पुलिस-स्टेशन है!
त ड़

तभी- ध्रुव को पीछे से आ रहे खतरे का एहसास हुआ। वह तेजी से एक ओर हटा।
धड़ाक
लेकिन हटते-हटते भी उसको हल्का सा धक्का लग ही गया।

और वह जमीन पर आ गिरा।
धड़ाम

वह कार देखते ही देखते धूल और धुएं का गुबार उड़ाती गायब हो गई।-
ओफ्! इस पर तो नंबर प्लेट तक नहीं है और इस रंग और मॉडल की सैंकड़ों कारें इस शहर में हैं!..

और फिर-
यह सब बहुत ही पूर्वनियोजित था, सर! पैवेलियन में दो आदमी...
एस. पी. सिंह
कैमरारूपी पिस्तौल लिए फोटोग्राफर; और बाहर इंतजार कर रही बिना नंबर की एक कार!...

...और यह सब मि॰ रिगार्ड की जेब में रखा वह सिक्का चुराने के लिए, जो सिर्फ रिगार्ड के लिए ही भाग्यशाली है। बाजार में जिसकी क़ीमत पचास रुपए भी नहीं होगी।
कमाल की बात तो यह है कि वे सभी व्यक्ति यूरोपियन थे। हर कोई यही समझ रहा था कि वे मैच देखने आए हैं।
मि॰ रिगार्ड अब कैसे हैं?

खतरे से बाहर! वह बम इतना शक्तिशाली नहीं था कि किसी की जान से खत्म कर सके!
यानि वे रिगार्ड को खत्म करना नहीं चाहते थे!...
...उनको सिर्फ उसकी जेब में रखे सिक्के से मतलब था!
आखिर इस सब की तुक क्या है?

उसी वक्त-एक अज्ञात स्थान पर-
लेडीज एंड जेंटलमेन, संयुक्त यूरोपियन टीम ने अपना काम अंजाम दे दिया है! वे क्रिकेट खिलाड़ी रिगार्ड की जेब से उसका भाग्यशाली सिक्का उस वक्त निकाल लाए, जिस वक्त वह पिच पर बैटिंग कर रहा था!...

... इस काम को उन्होंने दो दिन की अवधि खत्म होने से पहले ही पूरा करके पूरे अस्सी अंक प्राप्त किए हैं!
यूरोपियन टीम को हमारी ओलंपिक कमेटी की बधाई!

इसी बीच- बगल के कमरे में एक दूसरी मीटिंग चल रही थी-
हमको बहुत कठिन काम दिया गया है!
उस आर्ट-गैलरी में आजकल हर वक्त बहुत भीड़ रहती है!...

ऐसे में वहां से दो विश्व-प्रसिद्ध कलाकृतियों के फ्रेम निकालकर लाना; और वह भी ऐसे कि कोई देख न सके, एकदम असंभव है!
हां! और शाम के तीन बजे तो भीड़ सबसे ज्यादा होती है!

...और हमको अपना काम शाम के तीन बजे ही करना है!
इन सबसे हमें कोई मतलब नहीं है!...
...तुम चाहो तो अब भी अपना नाम वापस ले सकते हो!

नहीं! हम यह काम करेंगे!
मैं यह साबित कर दूंगा कि हम चीनियों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है!

और पुलिस-हेडक्वार्टर में-
उन यूरोपियनों का कहीं कोई पता नहीं है! वारदात होते ही मैंने सारे भागने के रास्ते बंद करवा दिए थे!
लेकिन वे तो गधे के सर से सींग की तरह गायब हो गए!
उधर इंग्लैंड टीम का मैनेजर धमकी दे रहा है कि अगर अपराधियों को तुरंत न पकड़ा गया तो आगे मैच नहीं होगा!
अब मैं करूं भी तो क्या?

आप फिक्र मत कीजिए, सर!
मैं उन को पाताल से भी खोद कर ले आऊंगा!...
...आखिर यह हमारे देश की प्रतिष्ठा का सवाल है!

अगले दिन - शाम के पौने तीन बजे - राजनगर की आर्ट-गैलरी हमेशा की तरह ही दर्शकों से भरी थी-
'ढलती शाम'! हुंह! यह तो मगरमच्छ के पेट के अंदर की फोटो लग रही है!
जब समझ में नहीं आता तो यहां आए क्यों थे?

यह क्या (सड़प) जलेबी की तस्वीर है? क्यों?
धीरे बोल, मूर्ख! यह 'जीवन की उलझन' है!

तभी- बाथरूम की तरफ से एक गोली की आवाज़ ने सबका ध्यान आकृष्ट कर लिया।
?
?
!
धाँय

आर्ट-गैलरी में तैनात गार्ड तेज़ी से बाथरूमकीओरलपके।
चोर... चोर! पकड़ो!
अरे! इसके तो पैर में गोली लगी है!

और कुछ ही क्षणों में-
वे रहे! दो नकाबपोश हैं!
एक के हाथ में कलाकृतियां भी हैं!
घड़ घड़ घड़
लगभग पूरी आर्ट-गैलरी के दर्शक इधर ही देख रहे हैं!...

अच्छा ही है! मैं ऐसे अपराधियों की पिटाई पूरी जनता के सामने ही करना चाहता हूं!...
...ताकि वे भी देख लें कि इन नाली के कीड़ों से डरने की कोई जरूरत नहीं है!
धाड़

लेकिन दुश्मन कमजोर नहीं था
?

अगले ही पल-
आह! यह तो बिजली से भी तेज है!
धमममम
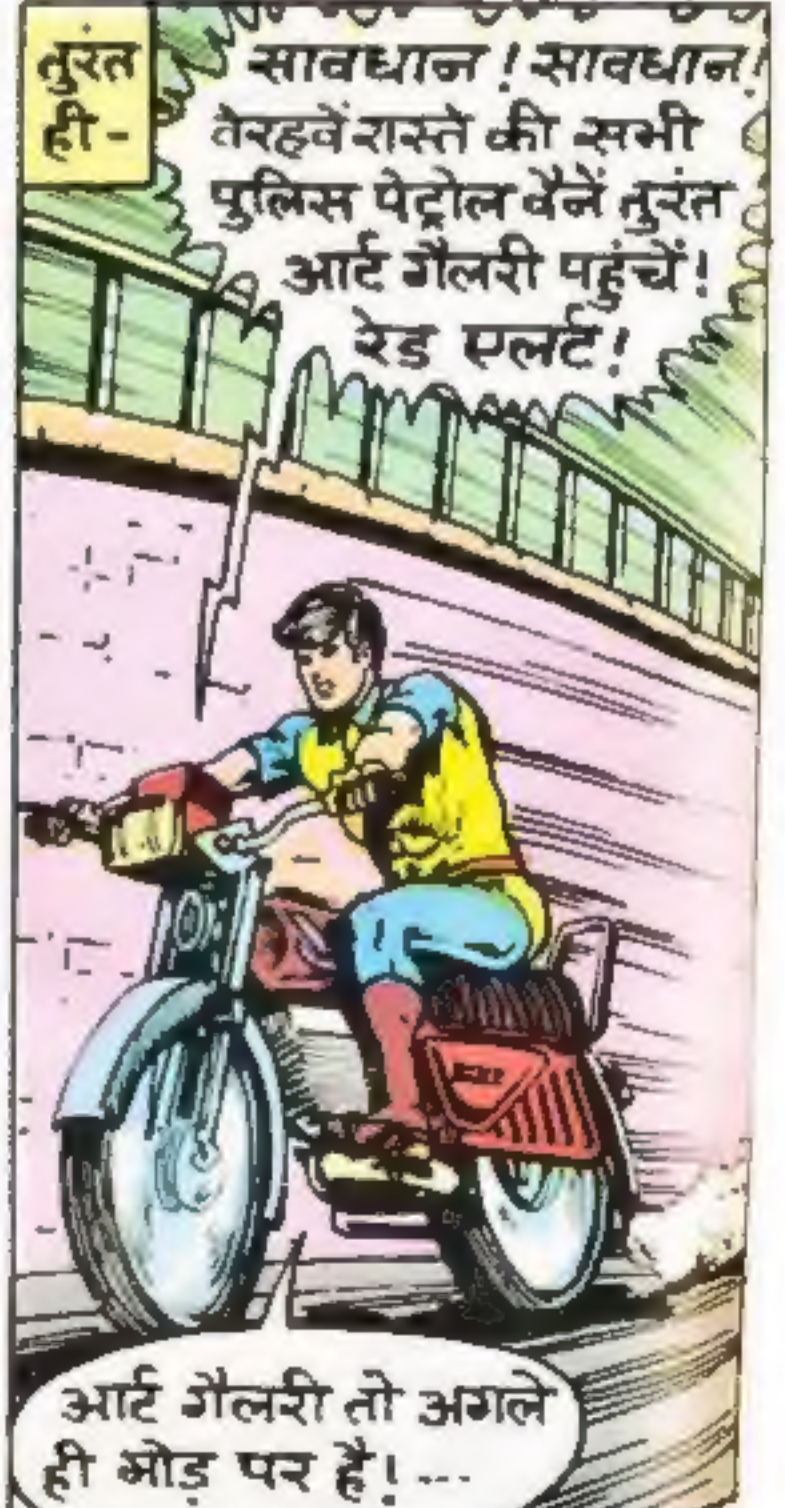
लेकिन ध्रुव का बदन ऐसी पता नहीं कितनी परीक्षाओं की आंच में तपकर निखरा था।
धम
गिरते-गिरते भी उसके बदन ने मोटरसाईकल को एक झटका दिया-

और मोटर साईकल ने अपना रास्ता बदल दिया
धड़ाम

परंतु-
यह तो 'कुंग-फू' का उस्ताद लगता है! ...
इधर यह मुझे उलझाए हुए है और उधर इसका साथी पेंटिंग्स लेकर भाग रहा है!
इसीलिए इस लड़ाई को जल्दी खत्म करना पड़ेगा!

नकाबपोश 'कुंग-फू' का उस्ताद जरूर था-
लेकिन ध्रुव उस्तादों का उस्ताद था!

यह तो गया!
अब दूसरा...

दूसरा नकाबपोश ज्यादा दूर नहीं भाग पाया-
पु...पुलिस!

वह पलटा और वापस भागा -

जहां ध्रुव उसका इंतजार कर रहा था-

अब देखूं कि तुम कौन सी बहुमूल्य कलाकृतियां लेकर भाग रहे थे?
-परंतु कलाकृतियों के रूप में एक आश्चर्य ध्रुव का इंतजार कर रहा था।

क्योंकि वे दोनों कलाकृतियां थीं ही नहीं!
यह क्या?
सादे कागज!!

यह दोनों तो चाइनीज हैं!
क्या?

फिर आर्ट गैलरी में-
... मैं जैसे ही बाथ-रूम में घुसा, मुझे पास के शौचालय से कुछ आवाजें सुनाई दीं!-
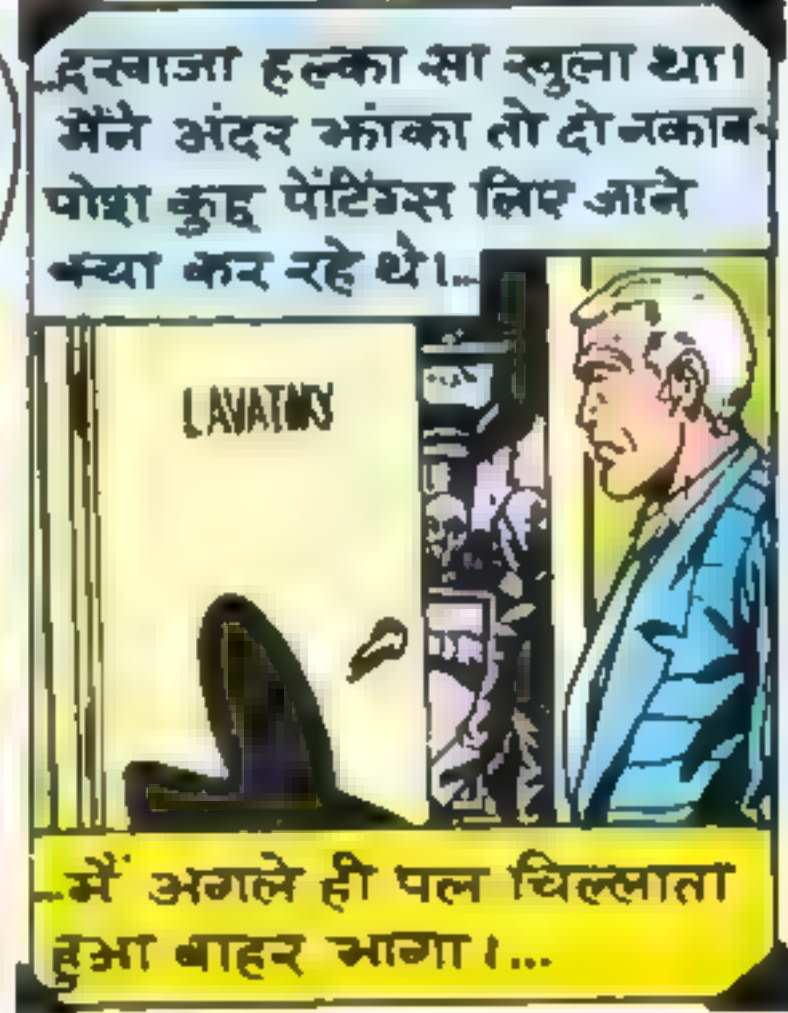
..दरवाजा हल्का सा खुला था। मैंने अंदर झांका तो दो नकाब-पोश कुछ पेंटिंग्स लिए जाने क्या कर रहे थे।...
LAVATORY
..मैं अगले ही पल चिल्लाता हुआ बाहर भागा।...

..अभी मैं दरवाजे तक पहुंचा ही था कि तभी एक गोली चली और मुझे अपनी पिंडली में एक अंगारा छूता हुआ सा लगा...
धाँय!

..आगे तो सारी बात आप जानते ही हैं!... लेकिन इन दोनों ने तो हमारे देश की नाक ही काट डाली!... ही:!

कमाल है! एक और बेतुका अपराध!! और वह भी विदेशियों के ही द्वारा!

बाद में-
उन दोनों चाईनीज़ युवकों का कहना है कि ऐसा उन्होंने एक शर्त जीतने के लिए किया कि इस आर्ट गैलरी से कोई कुछ लेकर भाग नहीं सकता है!...
...और उनका यह भी कहना है कि गोली उन्होंने नहीं चलाई!

एकदम सफेद झूठ!
नहीं, ध्रुव! उनका कहना सच है! यह रही उनकी रिवॉल्वर!...और हमारे विशेषज्ञ का कहना है कि मि० च्वांग के पैर में जो गोली लगी, वह इस रिवॉल्वर से नहीं चली है!
RAJNAGAR
क्या?

यानि...न तो आर्ट गैलरी से कोई चीज चोरी हुई और...
यही तो कमाल की बात है! चोरी हुई है! परंतु दो अति-बहुमूल्य कलाकृतियों के सिर्फ फ्रेमों की!
यह तो हद हो गई!

यानि किसी ने इन युवकों से चोरी करने की शर्त लगाई! और जब सभी दर्शक खिड़की से भागते नकाबपोशों को देख रहे थे तो उसने भरपूर मौका होते हुए भी सिर्फ फ्रेम चुराए!
और गोली भी शायद उसी ने चलाई!

वाह! अभी कल कुछ यूरोपियों ने एक सिक्का चुराया और आज शायद चाईनीजों ने दो फ्रेम!... फिर आपने दोनों चाईनीज़ युवकों का क्या किया?
कर भी क्या सकते थे?...

...गोली उन्होंने चलाई नहीं! चोरी उन्होंने की नहीं! हमको उन्हें सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ देना पड़ा!
पर मुझे पूरा यकीन है, सर!...
...कि इन सबका इस घटना से गहरा संबंध है!...

तभी-
तो मुझे इजाजत है, सर!
हां, मि॰ च्वांग! इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए मुझे बहुत खेद है!

आइए, मि॰ च्वांग! मैं आपके लिए और कुछ तो नहीं कर सकता, पर आपको कम से कम आपके ठहरने के स्थान तक तो पहुंचा ही सकता हूं!
श्योर, माई सन!

और थोड़ी देर बाद -
आप यहां ठहरे हैं? इस जहाज में?
हां! और मेरे जैसे बहुत से पर्यटक इस जहाज में ही ठहरे हैं! इस शहर के होटल बहुत महंगे हैं!
SEA
KING

परंतु च्वांग के जहाज की तरफ मुड़ते ही ध्रुव का मुस्कराता चेहरा एकदम से कठोर हो गया।

उसी रात-
यह है वह जहाज, करीम! तुमको इसपर कड़ी नजर रखनी है! और हर वह बात तुमको नोट करनी है, जो असामान्य लगे!
SEA
KIN
फ़िकर नॉट, कैप्टेन!
यह सब तुम मुझ पर छोड़ दो!

अगले कुछ दिनों तक शहर में अजीबोगरीब घटनाएं घटती रहीं - और ध्रुव खामोशी से देखता रहा।
म्यूजियम से नौलखे हार का धागा गायब
उड़ान के लिए तैयार वायुयान से पेट्रोल चोरी
चिड़ियाघर के दुर्लभ शेरों की पूंछ कटी

फिर एक दिन-
क्या कह रहे हो, ध्रुव?
मैं ठीक कह रहा हूं, सर! मुझे विश्वास है कि विभिन्न देशों के अपराधी इस शहर में किसी *प्रतियोगिता* का आयोजन कर रहे हैं!...
...और उनका अड्डा है...
...'पर्ल-हार्बर' पर खड़ा जहाज 'सी-किंग'!

मैंने कमांडो करीम को इसकी निगरानी पर लगाया था। और उसके अनुसार हर ऐसे अजीबोगरीब अपराध के बाद, अपराधियों के हुलिए से मिलते-जुलते लोग 'सी-किंग' के अंदर गए!
पर तुम को 'सी-किंग' पर शक कैसे हुआ?

क्योंकि मि॰ च्वांग उसी जहाज में ठहरे हुए हैं! और मेरे पास इस बात का पक्का सबूत है कि मि॰ च्वांग अपराधियों से मिले हुए हैं!
कैसा सबूत?
सबूत वह पैंट है जो मि॰ च्वांग दुर्घटना के वक्त पहने हुए थे; और जिसे पुलिस ने सबूत के तौर पर अपने पास ही रखा है!

शीघ्र ही-
हां! यह रही वह पैंट!
देखिए, सर! अगर मि॰ च्वांग को दौड़ते वक्त गोली लगी होती, तो पैंट का छेद और गोली का घाव एक ही सीध में होते!...
...या जरा सा ऊपर नीचे होते!...
...इतना ज्यादा अंतर यह बताता है कि जिस वक्त गोली लगी, उस वक्त पैंट काफी ऊपर उठी थी!...

...लगभग वैसी ही, जैसी बैठने के वक्त हो जाती है!
तुम्हारा कहना तो सही है! पर तुम इससे साबित क्या करना चाहते हो?
सिर्फ यही कि मि॰ च्वांग ने बड़े आराम से, कमोड पर बैठकर, अपनी ही रिवॉल्वर से अपने ही पांव में गोली मारी है!

पर क्यों?
ताकि अगर कोई दर्शक खिड़की से बाहर भाग रहे नकाबपोशों को न देख रहा हो, तो ...
...मि॰ च्वांग उसका ध्यान बंटा सकें और इस दरम्यान उनका चौथा साथी पेंटिंग्स के फ्रेम निकालकर फरार हो सके!

माई गॉड! यू मे बी राइट! आओ मेरे साथ!

कुछ घंटे बाद -'पर्ल-हार्बर' पर खड़े जहाज 'सी-किंग' में -
मेरे पास इस जहाज की तलाशी का वारंट है, कैप्टेन! हमें शक है कि आपके जहाज में कुछ ऐसे अपराधी छिपे हैं जिनकी हमें तलाश है!

मेरे जहाज में अपराधी!! हाऊ डिसास्ट्रस! आप शौक से पूरे जहाज की तलाशी लीजिए! जहां चाहें और जितनी देर तक चाहें!

जल्दी ही यह बात साफ हो गई कि 'सी-किंग' में ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसकी पुलिस को तलाश थी।
आई एम सॉरी, कैप्टेन!
सॉरी की क्या बात है! मैं जानता हूं कि आप सिर्फ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं!

हद हो गई, ध्रुव! तुम जानते हो कि किसी अंतर्राष्ट्रीय जहाज की तलाशी लेने का क्या मतलब होता है? और वह भी सिर्फ शक के आधार पर?
जवाब में ध्रुव सिर्फ खामोश रहा।
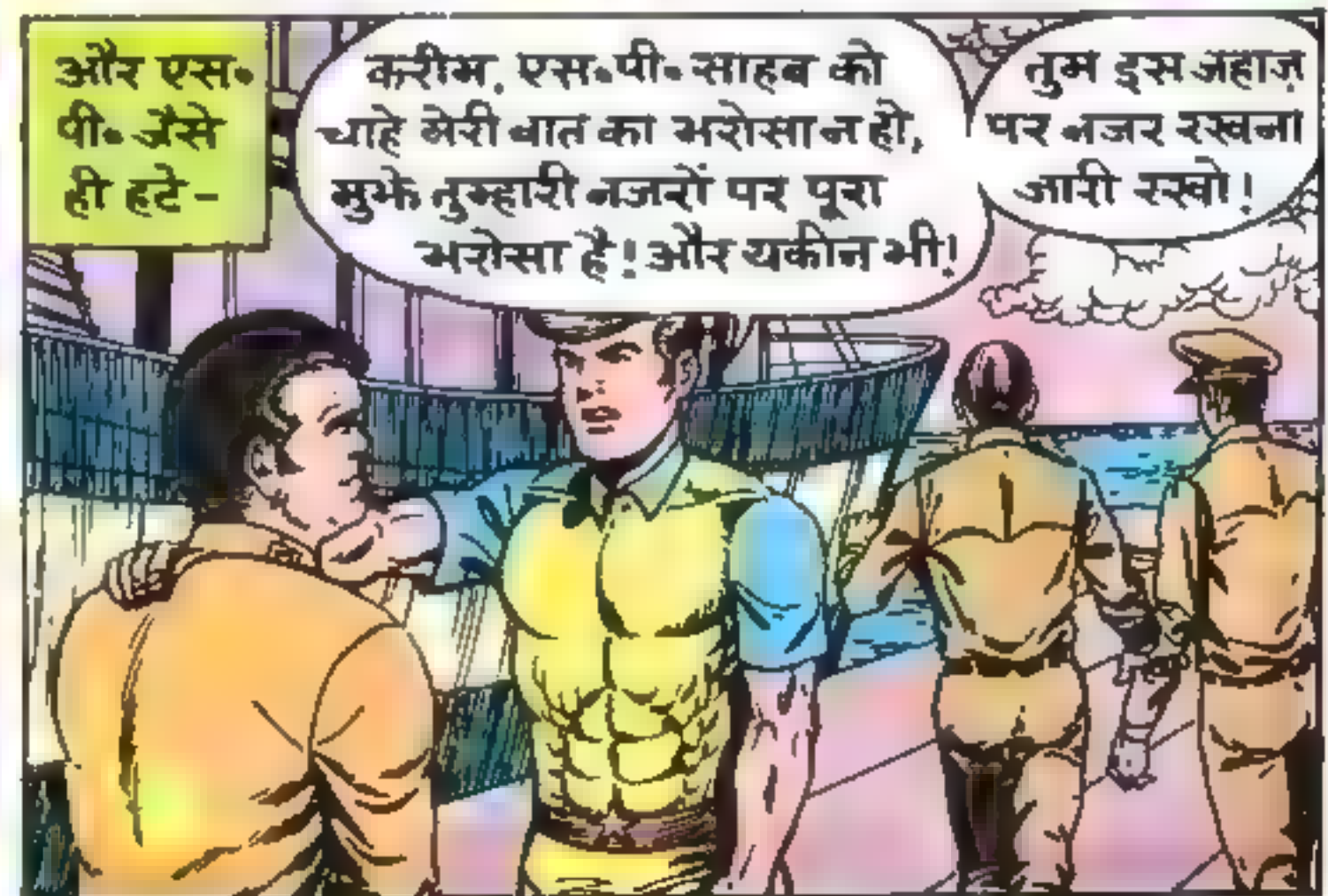
और एस॰ पी॰ जैसे ही हटे -
करीम, एस॰पी॰ साहब को चाहे मेरी बात का भरोसा न हो, मुझे तुम्हारी नजरों पर पूरा भरोसा है! और यकीन भी!
तुम इस जहाज़ पर नजर रखना जारी रखो!

- और इसी बीच -
उसी अज्ञात स्थान पर।
देवियो और सज्जनो, चाइनीज़ टीम ने पहले पूरे अस्सी अंक प्राप्त किए थे। क्योंकि वे तीन बजे ठसाठस भरी आर्ट गैलरी से दोनों फ्रेम ले आए! ...

...और उनको फ्रेम निकालते किसी ने नहीं देखा! लेकिन उन के दो आदमी ध्रुव द्वारा पकड़े भी गए! ...
...इसीलिए पेनल्टी के रूप में दस अंक कट गए! बचे सत्तर अंक!

अब अगला दौर अफ्रीकी टीम का है!
यह ध्रुव कौन है?

बगल वाले कमरे में अफ्रीकी टीम ज़ोरदार विरोध कर रही थी।
यह नाइंसाफी है! हमको विस्फोटक पदार्थ इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए!
उससे तो काम बिल्कुल आसान हो जाएगा! फिर अस्सी अंक किस बात के?

तुम हमारे लीडर हो, कुंटा! तुम्हीं बताओ कि यह कैसे संभव है?
शांत! शांत!! शांत!!!
इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है!
परंतु सिर्फ दिमाग़ वालों के लिए!

पहले मेरे सामने उस इलाके का पूरा नक्शा लाओ!
और फिर मैं तुमको अपना प्लान बताता हूं!

शीघ्र ही -
तो यह है वह पुराना किला, जिसकी पांच फुट मोटी दीवार हमको कल शाम तक तोड़नी है!
पर इसके बगल में ये दो लाइनें किस चीज की हैं?
यह रेल की पटरी है!...

बस! बन गया काम!
लेकिन इस पटरी का अब इस्तेमाल नहीं किया जाता! ...
क्योंकि जो गाड़ियां पहले इस पटरी से जाती थीं, अब उनके लिए नई पटरी बना दी गई है! ...और नई पटरी यह है! किले से एक कि॰मी॰ दूर!

हा हा हा! अगर यह नई-नवेली पटरी टूट-फूट जाए या बंद हो जाए; तो फिर रेलगाड़ियां कहां से जाएंगी?
इस पुरानी पटरी से! वाह!! ... मान गए उस्ताद!

अगले दिन -
यह है नई पटरी! और वह रहा किला! यहां से पूरे एक कि॰मी॰ दूर!
यह स्थान हमारे काम के लिए सर्वोत्तम है! ...

डायनामाइट लगाओ, नजूबी! ज्यादा वक्त नहीं बचा है!
सिर्फ पंद्रह मिनट लगेंगे!

नजूबी वादे का पक्का था।
हो गया! अब तुम 'डेटोनेटर' का लीवर दबा सकते हो, कुंटा!
ही ही ही! बड़ी खुशी से!

लीवर का हत्था तेजी से नीचे दबा...
DETONA

... और एक के बाद एक तीन धमाके हुए।

लगभग आधा कि॰मी॰ तक पूरी पटरी बड़े-बड़े पत्थरों के नीचे दबकर, टिन की पत्तियों की तरह, चपटी हो गई।

ही ही ही
मुझको धमाकों की आवाजें बहुत पसंद हैं!
आओ, नजूबी! कम से कम स्टेशन-मास्टर को फोन से इस दुर्घटना की सूचना तो दे दें!

इस खबर को सेंट्रल स्टेशन तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा।
...स्टेशन-मास्टर हियर! यहां से दिल्ली के बीच की पटरी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है!...
हैलो! डिवीजनल ऑफिस?...
...शीघ्र आदेश दें, सर, कि क्या किया जाए?

कैसे? ... खैर, मैं 'सहायता दल' तुरंत भेज रहा हूं!
तब तक आप ट्रेनों को पुरानी पटरी से भेजने की व्यवस्था करें!

लाइन कल तक ठीक हो जाएगी!
अपना पांसा सही पड़ा.कुंटा!
कुंटा का पासा कभी भी गलत नहीं पड़ता!
...अब आओ! स्टेशन चलें!

और उसी शाम - जब 41 डाउन सागर एक्सप्रेस, सेंट्रल स्टेशन से बाहर निकली, तब तक सब सामान्य था।

- लेकिन जैसे ही ट्रेन पुरानी पटरी पर पहुंची, इंजन के अंदर का दृश्य बदल गया।

कुंटा हियर! तुम तैयार हो, तबारा? ओवर!
यस,लीडर! मैं आपके आदेश का इंतजार कर रहा हूं!

दूसरी तरफ - ध्रुव ने पूरे शहर पर नज़र रखने का एक नया इंतजाम किया था।
वाह! यहां पर न तो कोई लाल बत्ती है और न ही ट्रैफिक की भीड़ भाड़!

यह क्या है ?... ओह! इस पुरानी पटरी पर यह पहली ट्रेन दिल्ली के लिए आ रही है!
41 डाउन, सागर एक्सप्रेस!
इसमें इंजन भी नई तरह का लगा है, जिसे आगे और पीछे, दोनों ही तरफ से चलाया जा सकता है! औ...

... अरे! अरे!! ये दो लोग तो पटरी की 'फिश-प्लेटें' हटा रहे हैं! ... और ट्रेन यहां दस मिनट में पहुंचने वाली है!

इनको पकड़ने का वक्त नहीं है। पहले ट्रेन के निर्दोष यात्रियों की जान बचानी ज्यादा जरूरी है!
अगले ही पल - हैलीकॉप्टर तेजी से वापस घूमा और ट्रेन की तरफ बढ़ चला।

यह रही ट्रेन! अब... अरे! यह क्या !? यह तो ट्रेन का ड्राइवर है!
और ट्रेन चलती चली आ रही है!...

यानि कुछ गड़बड़ है!
लगता है कि नीचे जा कर देखना पड़ेगा!
अगले ही पल - हैलीकॉप्टर से एक रस्सी नीचे गिरी।-

और रस्सी में बंधा हुक इंजन की छत में आ फंसा।

हैलीकॉप्टर तो 'पार्क' हो गया! ... अब देखूं कि इंजन में क्या गड़बड़ है?

इंजन के अंदर -

अपने हेलीकॉप्टर को सिग्नल दे दो, नजूबी !

अब इंजन की छत पर चढ़ने का वक़्त आ गया है!

लेकिन ट्रेन की छत पर कोई उनका इंतजार कर रहा था।

कहीं जा रहे हो क्या?

?

!

और इससे पहले कि दोनों अफ्रीकी संभल पाते -

तड़ धाड़

-और उसका हैलीकॉप्टर चट्टानों से टकरा कर नष्ट हो गया।

ओफ़! ये दोनों तो भाग रहे हैं! मैं इनको रोक तो नहीं सकता, पर कम से कम एक प्रेज़ेंट तो दे ही सकता हूं!
ध्रुव का हाथ घूमा।
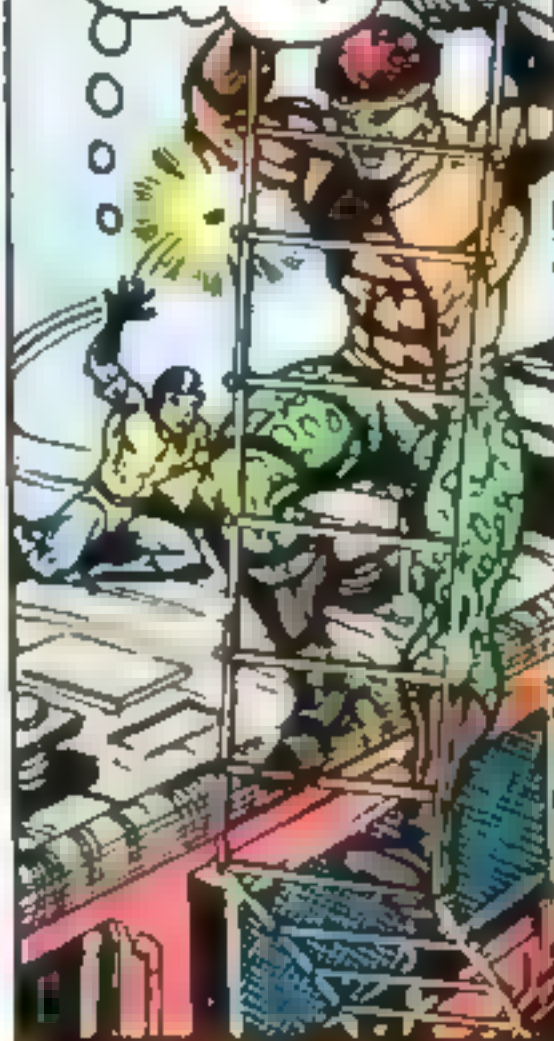
और कुटा की पीठ में एक कीड़ा नुमा 'माइक्रो-ट्रांसमीटर' आकर चिपक गया।

देखते ही देखते दोनों अफ्रीकनों के साथ हैलीकॉप्टर अंधेरे में गुम हो गया।
ओह! इनके चक्कर में तो मैं...

...इस बिना ड्राइवर की ट्रेन को लगभग भूल ही गया!

ब्रेक काम नहीं कर रहे हैं! यानि इंजन नहीं रुक सकता!
'इग्निशन-स्विच' भी जाम हो गया है!

इस इंजन के बारे में मुझे वैसे भी ज्यादा जानकारी नहीं है!... वक्त भी बहुत कम है!
... अब सिर्फ एक ही रास्ता बचा है! ...

कि इंजन को बाकी डिब्बों से अलग कर दिया जाए!
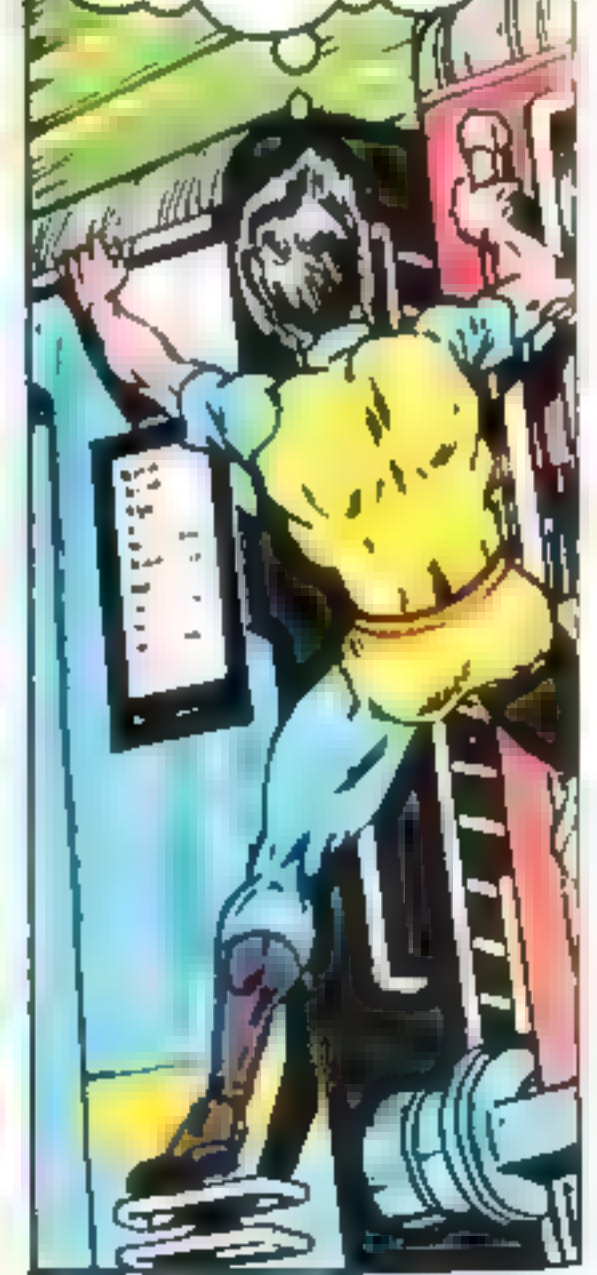
ध्रुव के शक्तिशाली हाथों का एक झटका लगा। -
और इंजन डिब्बों से अलग हो गया।
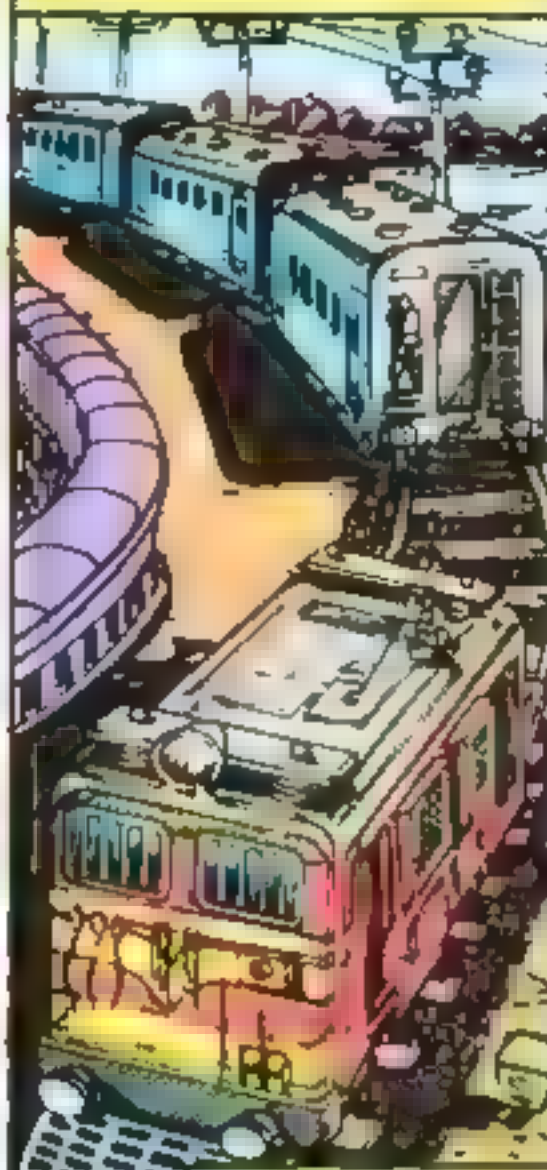
डिब्बों की गति धीरे-धीरे कम होने लगी...
...और इंजन की गति तेज।

वहां से थोड़ी ही दूर -
पटरियों में लोहे का तार कसकर बांधा है न?
हां!
बुलडोजर स्टार्ट करो। ट्रेन आ रही है!

बुलडोज़र का शक्तिशाली इंजन स्टार्ट हुआ। -
और पटरियों का रुख किले की दीवार की तरफ मुड़ गया।

आओ, तबारा! भागो!!
इंजन आ रहा है!

सौ की गति से भागता हुआ रेल-इंजन तेजी से मुड़ी पटरी की ओर बढ़ा।...

...और किले की पांच फुट मोटी दीवार एक कर्णभेदी धमाके के साथ ढह गई।

फिर बाद में -
अफ्रीकन टीम ने आज एक बहुत मुश्किल काम पूरा कर के अपने लिए पूरे अस्सी अंक अर्जित किए हैं!...
...और साथ में दस अंकों का बोनस भी!
अफ्रीकन टीम को हमारी बधाई!

और पर्ल-हार्बर पर -
क्या रिपोर्ट है, करीम?
अभी-अभी दो अफ्रीकी जहाज में गए हैं! एक गंजा और एक चमड़े की जैकेट वाला।
उससे दस मिनट पहले एक हैलीकॉप्टर भी इस जहाज पर उतरा था!

वो मारा! ये सिग्नल भी यही बता रहे हैं कि वे अफ्रीकी इसी जहाज में हैं!
सिग्नल!? कैसे सिग्नल?
अभी चार अफ्रीकनों ने 'सागर एक्सप्रेस' को दुर्घटना ग्रस्त करने की कोशिश की!
उनको तो मैं नहीं रोक पाया, पर यात्रियों को मैंने बचा लिया!

...भागते-भागते भी मैंने उनमें से एक अफ्रीकी की पीठ में एक माइक्रो-ट्रांसमीटर चिपका दिया!
ये उसी के सिग्नल हैं! पर ...पर... यह क्या?...
...अब ये सिग्नल बता रहे हैं कि वे अफ्रीकी जहाज़ से दूर जा रहे हैं!
पर कैसे?

जहाज के आस-पास से न तो कोई नौका दूर जा रही है और न ही कोई तैर रहा है!
देखो करीम! जहाज एकाएक पानी की सतह से कई फुट ऊपर उठ आया है! ...

और वो देखो! एक पेरिस्कोप!!
?

यानि... पनडुब्बी!
हां! पनडुब्बी जहाज के तले में लगी होगी! वे अफ्रीकी जहाज के रास्ते पनडुब्बी में घुसे होंगे और अब पनडुब्बी उनको लेकर जहाज से दूर जा रही है!

एक्जैक्टली!... और पनडुब्बी का वजन हटते ही जहाज सतह से कई फुट ऊपर उठ आया!
बिल्कुल सही, करीम!
यही कारण था कि पुलिस को जहाज की तलाशी में कोई अपराधी हाथ नहीं लगा!

मतलब साफ है कि इनका अड्डा कहीं और है!... और ये पनडुब्बी उन अफ्रीकनों को उसी अड्डे की तरफ ले जा रही है!...
...करीम, तुम तुरंत पीटर को फोन करो, और कहो कि वह गोताखोरी के दो स्पेशल मास्क लेकर यहां पहुंच जाए!....

...और साथ में कुछ प्लास्टिक-बम भी लेता आए!... और उसके बाद तुम पुलिस लेकर पूरा इलाका घेर लेना! समझे?
अगर पुलिस मेरी बात पर ही यकीन न करे तो?
तो तुम पापा से संपर्क करना!
यानि आई•जी•सर से? समझ गया!

और जल्द ही- दो परछाइयां, पानी के अंदर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थीं।
सावधान, पीटर! अब पनडुब्बी हमसे ज्यादा दूर नहीं है! अगर मेरा ख्याल सही है, तो यहां पर अपराधियों का जमघट लगा होगा! तुम प्लास्टिक-बम लाए हो न?
हां, ये रहे! मेरी बेल्ट में लगे हैं!
देखो! उधर कुछ नजर आ रहा है!
मैं आगे बढ़ता हूं!
तुम चट्टानों की आड़ लेते हुए मेरे पीछे आओ!

ध्रुव सावधानी से आगे बढ़ा।
यह तो पनडुब्बी ही है!!

और यह किसी गुफा के प्रवेश-द्वार के बगल में खड़ी है!
यानि यह गुफा ही सारे झगड़े की...

तभी- ध्रुव को खतरे का आभास हुआ।
तो मेरा शक सही निकला!...

पहरेदार ने इसकी पुष्टि कर दी है कि यही गुफा मेरी मंजिल है!

पहरेदार के संभलने से पहले ही ध्रुव ने उसका हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींचा-

जबड़े से एक घूंसा दुगनी जोर से टकराया-
और पहरेदार होश खो बैठा

वाह! तुमने तो मेरे आने से पहले ही इसका काम तमाम कर दिया!
सुनो, पीटर!

तुम इस गुफा के प्रवेश-द्वार को छोड़कर दो तरफ बम लगा दो!
और मेरा सिग्नल मिलते ही...

धड़ाम...धड़ाम!! समझ गया! बेस्ट ऑफ लक, ध्रुव!
धन्यवाद, पीटर!

पता नहीं इसके अंदर क्या होगा?
ध्रुव ने सावधानी से एयर-लॉक खोला-

- और वह आश्चर्यचकित रह गया।
कमाल है! इन लोगों ने तो अंदर पूरी कोठी बना रखी है!
और यहीं से शायद यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है!

...उधर कॉरीडोर के अंत से कुछ आवाजें आ रही हैं!... शायद वहीं से मेरे सवालों का जवाब मिल सके!

दरवाजे के पीछे - एक और आश्चर्य ध्रुव का इंतजार कर रहा था।
!
प्यारे दोस्तो! आज की मीटिंग की शुरूआत...
वाह! वाह!! लगता है पूरा 'संयुक्त अपराध संघ' यहां पर एकत्रित्र है!
लेकिन यहीं पर ध्रुव से एक जबर्दस्त असावधानी हो गई।
हिलना मत!
...वर्ना पलभर में चलते-फिरते बदन को लाश में बदल दूंगा!

कौन हो तुम?
जासूसी करने आए हो? - अंदर चलो!
सुपर जज के सामने!
कौन है यह बदतमीज़, जो परदे के पीछे से बोलकर मीटिंग में खलल डाल रहा है?

सुपर-जज को जवाब मिलने में देर नहीं लगी।
यह रहा बदतमीज!
य..यह क्या?
नशा कर के आए हो क्या?

इसको मत डांटिए! सारी गलती मेरी है! मैंने ही इसको अंदर फेंका है! दरअसल यह मुझको पिस्तौल दिखा रहा था, सुपर जज!
कौन हो तुम?

इस प्रश्न का उत्तर कई लोगों को पता था।
अरे! यही तो है वह लड़का! सुपर कमांडो ध्रुव!!
यह यहां तक कैसे आ गया?
इसने हमें बहुत परेशान किया है, सुपर जज!...

इसीलिए इसको हमारे हाथों सौंप दिया जाए!
नहीं नहीं! इससे तो हमें अपना हिसाब चुकाना है!
इसने मुझे लात मारी थी! इसकी गर्दन तो सिर्फ कुंदा ही मरोड़ेगा!

खामोश!
पहले हम अपने बिना-बुलाए मेहमान से कुशल-क्षेम तो पूछ लें!
तो तुम हो, बेटा, सुपर कमांडो ध्रुव!
तुम ने ही अब तक हमारे हर काम में टांग अड़ाई है?

टांग तो तुमने हमारे देश के कामों में दखल देकर अड़ाई है!
मैं यहां पर तुम लोगों को सिर्फ यह बताने आया हूं कि यह सारा इलाका पुलिस ने घेर रखा है!

तुम लोगों की भलाई इसी में है कि अपने-आप को चुप-चाप कानून के हवाले कर दो!
किसी भी प्रतिरोध का परिणाम सिर्फ खून-खराबा होगा!

वाह! वाह!! यह तो बिल्कुल जेम्स बॉन्ड की तरह बोलता है! मौत के सामने खड़ा होकर भी उपदेश झाड़ रहा है!
इस लड़के से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं!
आप सभी इस लड़के को अपने-अपने हवाले करने की मांग कर रहे थे!

परंतु इसको उसी टीम के हवाले किया जाएगा, जो हमारी प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा अंक प्राप्त करेगी!
दूसरे शब्दों में...
सुपर कमांडो ध्रुव हमारी प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार होगा!

वाह-वाह!
क्या निर्णय दिया है!
वाह!
तुम सब वास्तव में पागल हो क्या?
मैं तुम लोगों को फिर बता रहा हूं कि पुलिस ने तुम को चारों ओर से घेर रखा है!
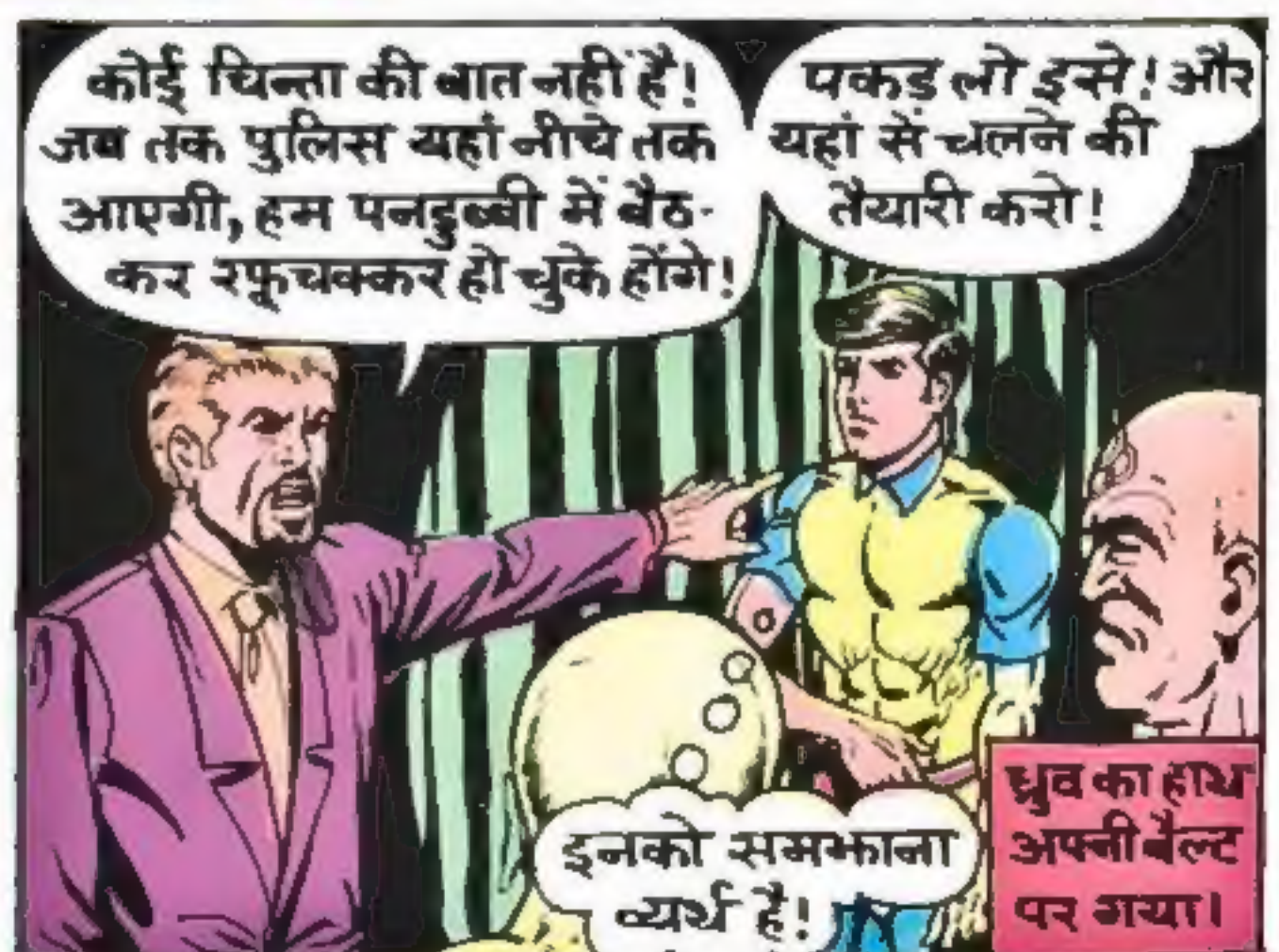
कोई चिन्ता की बात नहीं है! जब तक पुलिस यहां नीचे तक आएगी, हम पनडुब्बी में बैठ-कर रफूचक्कर हो चुके होंगे!
पकड़ लो इसे! और यहां से चलने की तैयारी करो!
इनको समझाना व्यर्थ है!
ध्रुव का हाथ अपनी बैल्ट पर गया।

यह तो ध्रुव का सिग्नल है!
पिंग... पिंग... पिंग...
पीटर की उंगली 'रिमोट-कंट्रोल' के बटन पर दबी।

-और दो धमाके हुए
यह क्या?
भागो!

ओफ! हमारे पास सिर्फ 'ऑक्सीजन-मास्क' पहनने का वक्त है!...
जल्दी करो! पानी तो बहुत तेजी से अंदर आ रहा है!

ध्रुव इस अफरा-तफरी का लाभ उठाते हुए गायब हो चुका था
अरे! वह लड़का किधर गया?
कंबख्त हमारे सारे प्लान पर पानी फेर गया!

और बाहर-
शाबास, पीटर!
धन्यवाद, ध्रुव!
आओ! अब चट्टान के पीछे आराम से बैठकर तमाशा देखें!

अभी नहीं! अभी यह पनडुब्बी बची है!
वे इसमें बैठकर भाग सकते हैं!
लेकिन मैंने एक बम इसमें भी फिट कर दिया है!

और-शीघ्र ही
आओ! जल्दी! पनडुब्बी की ओर!

लेकिन इससे पहले कि वे पनडुब्बी तक पहुंच पाते।-
?
धड़ाम

सतह पर- करीम , आई॰ जी॰ राजन और स्पेशल पुलिस- फोर्स के साथ किनारे पर पहुंच चुका था -

यह धमाका कैसा है ?

!?
और लगभग तुरंत ही- समुद्र की सतह पर सिर ही सिर नजर आने लगे।

भागने के सभी रास्ते बंद देखकर अपराधियों ने आत्मसमर्पण करना ही उचित समझा -
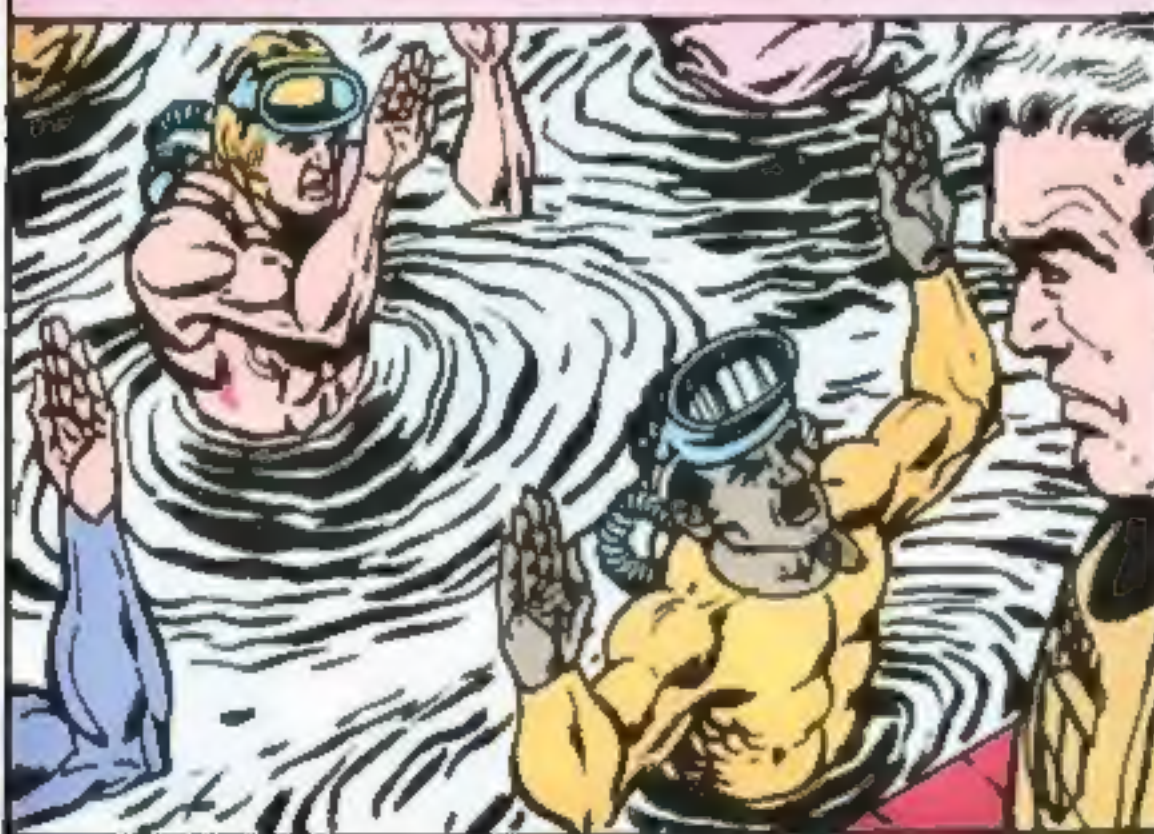
कुछ घंटों की कड़ी तलाश के बाद सारे अपराधी पुलिस की गिरफ्त में थे।

और फिर-
आई एम सॉरी, ध्रुव! मुझे तुम्हारी बातों को और ज्यादा गंभीरता से लेना चाहिए था!

इतने सारे अपराधी हमारे हाथ पहले कभी भी नहीं लगे! इन में से कई अपराधियों की तो इंटरपोल तक को तलाश थी!
इसमें आप का कुसूर नहीं है, अंकल!
अगर कोई मुझसे आकर यह सब बताता तो मुझे भी उस पर जल्दी विश्वास नहीं होता!

लगभग उसी वक्त - भारत की धरती से हजारों कि॰मी॰दूर -
हमारा प्लान फेल हो गया, महामहिम!
फेल हो गया? हमारा प्लान फेल हो गया!!
कैसे फेल हुआ?

एक लड़के के कारण, महामहिम!
लड़के के कारण! कौन है वह लड़का?
उसका नाम ध्रुव है, महामहिम!
हूं! कल सुबह तक उसके बारे में पूरी जानकारी मेरी टेबल पर होनी चाहिए!

ग्रैंड-मास्टर रोबो उसको खुद अपने हाथों से सजा देगा!

तो दोस्तो, यह वो शख्स था जिसने इस अनोखे 'अपराध-ओलम्पिक' का प्लान बनाया था! क्यों बनाया था और फिर इसने क्या किया?...
यह सब मैं अपने आने वाले किसी अंक में बताऊंगा!
फिलहाल तो इंतजार करो मेरे अगले अंक का!
फिर मिलेंगे, प्यारे दोस्तो!